दैनिक जीवन में नैतिकता

पाठ सं	पाठ का नाम	कौशल	गतिविधि
21	**दैनिक जीवन में नैतिकता**	स्व-जागरुकता तथा सहानुभूति अंतर-व्यक्तिगत संबंध तथा कुशल संप्रेषण समालोचनात्मक विवेचन तथा सृजनात्मक विचार समस्या समाधान तथा निर्णय लेना तनाव से निपटना तथा भावात्मकता से निपटना	हमारे जीवन में नैतिकता तथा मूल्यों का महत्व

सारांश

नैतिकता और **मूल्य** प्रतिदिन के जीवन के दो महत्वपूर्ण पहलू हैं। मूल्य चेतना के विकास में सहायक होते हैं; और यह चेतना क्रिया के चयना में सहायक होती है।

मूल्य वे विचार तथा विश्वास हैं जो हम बचपन से अपने माता-पिता तथा अपने परिवेश से सीखते हैं।

नैतिकता हमारे मूल्यों की परीक्षा लेती है और विभिन्न परिस्थितियों में हमारे व्यवहार को प्रभावित करती है।

यह अत्यंत महत्पवूर्ण है कि हममें से प्रत्येक व्यक्ति जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में मूल्यों का अनुसरण करे। यदि हम इनका अनुसरण नहीं करते हैं तो इससे जीवन संपत्ति की हानि होगी; कानून और व्यवस्था नहीं रहेगी; अपराधों में वृद्धि होगी; महिलाओं, बच्चों तथा समाज के अन्य वंचित सदस्यों की अवहेलना होगी; और संसाधनों का भेदभावपूर्ण उपयोग तथा बर्बादी होगी।

प्रमुख बिन्दु

- हमारा अधिकार हमारा उत्तरदायित्व भी है। उत्तरदायित्व तथा अधिकार एक साथ चलते हैं और सकारात्मक वातावरण का निर्माण करते हैं।
- आदर - आदर दो! आदर मिलेगा! बुजुर्गों का आदर करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। किन्तु यदि वो आपको अच्छा महसूस नहीं कराते हैं या आपके आदर का अनावश्यक लाभ उठाते हैं तो एक वयस्क के रुप में विरोध करने से हिचकिचाना नहीं चाहिए।
- श्रम की गरिमा - व्यक्ति को सभी कार्यों को समान सम्मान देना चाहिए और किसी कार्य को दूसरे कार्य से अधिक श्रेष्ठ नहीं समझना चाहिए। दूसरों पर आश्रित रहने के स्थान पर स्वयं जीविका अर्जित करना बेहतर है वो भी ईमानदार माध्यमों से।
- सकारात्मक दृष्टिकोण हमें दिन प्रति दिन के जीवन से निपटने में सहायक होता है। यह आशावादी विचारधारा का सृजन करता है और हमें नकारात्मक सोच व चिंताओं से बचाता है। यह आपसी संबंधों को विकसित करने तथा उन्हें बनाए रखने में भी सहायक होता है।
- जीवन कौशल- दैनिक जीवन की मांगों और चुनौतियों का सामना करने की क्षमता।

अपने ज्ञान का निर्माण करें

नैतिकता की आवश्यकता और महत्वः

- जीवन तथा संपत्ति को क्षति से बचाना
- परिवारों को विखंडन से बचाना
- कानून और व्यवस्था बनाए रखना
- अपराध तथा भ्रष्टाचार को रोकना
- मदिरापान तथा नशीले पदार्थों के सेवन को रोकना
- महिलाओं, बच्चों तथा बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार को रोकना
- संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग को सुनिश्चित करना

क्या जानना महत्वपूर्ण है?

यह अत्यंत महत्वपूर्ण है कि हममे सें प्रत्येक व्यक्ति सौहार्द्रपूर्ण वातावरण के निर्माण के लिए जीवन में मूल्यों को धारण करे। इसी प्रकार, कर्मचारी के लिए भी यह महत्वपूर्ण है कि वह अपने कार्यस्थल में सौहार्द्रपूर्ण वातावरण के निर्माण के लिए जीवन मूल्यों को धारण करे। इसलिए जीवन तथा कार्यस्थल में इन मूल्यों को जानना जरुरी है।

जीवन के मूल्य	कार्यस्थल पर मूल्य
• ईमानदारी व निष्ठा	• संगठन के प्रति ईमानदारी व निष्ठा
• कार्य के प्रति आदर	• सौंपे गए कार्य के प्रति आदर
• समयपालन, नियमितता तथा अनुशासन	• समयपालन, नियमितता तथा अनुशासन
• शिष्टाचार तथा नम्रता	• सहकर्मियों के साथ शिष्टाचार तथा नम्रता
• संसाधनों का विवेकपूर्ण प्रयोग	• संसाधनों का विवकपूर्ण उपयोग
• पहल करना	• नए कार्यों को करने में आगे रहना
• कार्यों को पूरा करने में कुशलता	• कार्यों को पूरा करने में कुशलता

क्या आप जानते हैं?

मूल्य तथा नैतिकता दो भिन्न पहलू हैं।

मूल्य विचार और विश्वास है, जो हमें हमारे माता-पिता ने सिखाएं हैं, वे हमारे निर्णयों के मार्गदर्शक कारक हैः और हमारी क्रिया और व्यवहार का आधार हैं।

नैतिकता, दूसरी ओर, विभिन्न परिस्थितियों में हमारे मूल्यों और व्यवहार की परीक्षा है।

अपने ज्ञान का विस्तार करें

- विचार करें कि आप विशेष आवश्यकता वाले लोगों की किस प्रकार मदद कर सकते हैं या उनके साथ कार्य कर सकते हैं।
- चार जीवन कौशलों का उल्लेख कीजिए जिनका प्रयोग आपने उस समय किया था जब आपकी बहन/भाई बीमार था।

स्व-मूल्यांकन करें

1. एक व्यक्ति ने देखा कि सड़क पर एक आदमी घायल पड़ा है और उसका खून बह रहा है। वह उसे अस्पताल ले गया। सूची बनाएं और संक्षेप में वर्णन करें कि इस आचरण में कौन से मूल्य तथा जीवन कौशल शामिल हैं।
2. आपके व्यक्तित्व में शामिल मूल्यों की सूची बनाएं व उन मूल्यों की भी जो आप अपने व्यक्तित्व मे लाना चाहते है।

अपने अंकों को अधिकतम बनाएं

- अनादर और आदर के संकेतों की तुलना कीजिए।
- पाठ में दी गई परिभाषाओं को याद करें।
- पाठ में दिए गए उदाहरणों के माध्यम से मूल्यों को समझें।